This question paper contains 8 printed pages]

5385-A2

M.A. (Final) EXAMINATION, 2017

HINDI LITERATURE

Paper V

(रचनाकार का विशेष अध्ययन : सुभद्राकुमारी चौहान)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

खण्ड 'अ' [Marks : **20**]

सभी *प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***पचास*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'ब' [Marks : **50**]

प्रत्येक इकाई से ***एक*** *प्रश्न चुनते हुए, कुल* ***पाँच*** *प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***250*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'स' [Marks : **30**]

कोई ***दो*** *प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***300*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

P.T.O.

खण्ड 'अ'

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इकाई I

(क) सुभद्राकुमारी चौहान का जन्म कब और कहाँ हुआ ?

(ख) सुभद्राकुमारी चौहान की बचपन की सहेली का नाम बताइए जो स्वयं सुप्रसिद्ध कवयित्री भी हैं ?

इकाई II

(ग) सुभद्राकुमारी चौहान के प्रथम कहानी-संग्रह का नाम बताइए।

(घ) सुभद्राकुमारी चौहान की कहानियों के मुख्य विषय कौनसे हैं ?

इकाई III

(ङ) 'पवित्र ईर्ष्या' कहानी के मुख्य पात्रों के नाम बताइए।

(च) सुभद्राकुमारी चौहान की नारी-केन्द्रित किन्हीं दो कहानियों के नाम लिखिए।

इकाई IV

(छ) सुभद्राकुमारी चौहान के प्रथम कविता-संग्रह का नाम बताइए एवं उसे कौनसा पुरस्कार मिला था ?

(ज) "देखो भैया, भेज रही हूँ,

तुमको-तुमको राखी आज,

साखी राजस्थान बनाकर,

रख लेना राखी की लाज।"

ये पंक्तियाँ सुभद्रा जी की किस कविता की हैं ?

इकाई V

(झ) 'मँझली रानी' कहानी में लेखिका ने किस सामाजिक समस्या को प्रस्तुत किया है ?

(ञ) सुभद्राकुमारी चौहान की किन्हीं **दो** कविताओं के नाम लिखिए जिसका केन्द्रीय स्वर राष्ट्रीयता हो।

खण्ड 'ब'

इकाई I

2. सुभद्राकुमारी चौहान का जीवन-परिचय देते हुए उनके कृतित्व के बारे में सोदाहरण बताइए।

अथवा

3. सुभद्राकुमारी चौहान के राजनीतिक-सामाजिक कार्यकर्ता के रूप पर प्रकाश डालिए।

इकाई II

4. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"पिता की परेशानियों को देखते हुए अनेक बार उसके जी में आया कि वह पिता से साफ-साफ पूछे कि आखिर वे उसके विवाह के लिए इतने चिन्तित क्यों हैं ? वह स्वयं तो विवाह को इतना आवश्यक नहीं समझती और अगर पिता विवाह को इतना अधिक महत्व देते हैं तो फिर पात्र और कुपात्र क्या ? विवाह करना है कर दें, किसी के भी साथ, वह हर हालत में सुखी और सन्तुष्ट रहेगी। उनकी यह परेशानी, इतनी चिन्ता अब उससे सही नहीं जाती। किन्तु संकोच और लज्जा उसकी ज़बान पर ताला-सा डाल देते। हज़ार बार निश्चय करके भी वह पिता से यह बात न कह सकी।"

अथवा

5. 'हींगवाला' कहानी की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

इकाई III

6. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''अब मुझे काम भी न मिलता। पैसों की तंगी होने लगी। इधर बच्चे गोपा को और ज्यादा चिढ़ाकर तंग करने लगे। सोचा गोपा अभी छोटी है, समझती कम है, जब बड़ी होगी तब गोपा को कितना बुरा लगेगा, मेरी गोपा दु:खी हो जाया करेगी और कहीं मैं मर गई तो.....फिर बहन जी मेरे मरने के बाद गोपा की जो दुर्दशा होगी उसे सोचकर मैं पागल हो गई और उस दुर्दशा तक गोपा न पहुँच सके, इसलिए.....।''

अथवा

7. 'कल्याणी' कहानी का कथा-सार लिखिए।

इकाई IV

8. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''परिमल-हीन पराग दाग सा बना पड़ा है
हा! यह प्यारा बाग खून से सना पड़ा है।
ओ, प्रिय ऋतुराज! किन्तु धीरे से आना,
यह है शोक-स्थान यहाँ मत शोर मचाना।

वायु चले, पर मंद चाल से उसे चलाना,

दु:ख की आहें संग उड़ाकर मत ले जाना।

कोकिल गावें, किन्तु राग रोने का गावें,

भ्रमर करें गुंजार कष्ट की कथा सुनावें।''

अथवा

9. ''कह दे अतीत अब मौन त्याग

लंके तुझमें क्यों लगी आग

ऐ कुरुक्षेत्र अब जाग जाग;

बतला अपने अनुभव अनंत

वीरों का कैसा हो वसंत।

हल्दीघाटी के शिलाखण्ड

ऐ दुर्ग सिंहगढ़ के प्रचण्ड

राणा ताना का कर घमण्ड

दो जगा आज स्मृतियाँ ज्वलंत

वीरों का कैसा हो वसंत।''

इकाई V

10. सुभद्राकुमारी चौहान की कविताओं के माध्यम से उनकी राष्ट्रीय चेतना पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

अथवा

11. सुभद्राकुमारी चौहान की बालिका विषयक कविताओं पर सोदाहरण टिप्पणी कीजिए।

खण्ड 'स'

इकाई I

12. सुभद्राकुमारी चौहान के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को विस्तार से प्रकाशित कीजिए।

इकाई II

13. ''सुभद्राकुमारी चौहान ने अपनी कहानियों में समाज में उभरते नए सवालों को पूरी स्पष्टता से देखा है, उन्हें जाँचने की कोशिश की है।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

इकाई III

14. ''सुभद्राकुमारी चौहान के नारी पात्र यह जानते हैं कि असल में उनकी मानसिकता हिन्दुस्तानी संस्कृति का प्रतिफलन है, उन्हें स्वयं ही समाज को समझने, तरतीब देने, बदलने तथा नए स्थायित्व की ओर मोड़ने का काम करना है।'' उक्त पंक्तियों को सुभद्रा जी की कहानियों के माध्यम से स्पष्ट कीजिए।

इकाई IV

15. 'एक विशेष सामाजिक और राष्ट्रीय परिस्थिति की परिधि में अभिव्यक्त हो उठने वाले मानव-सम्बन्धों का बड़ा ही हृदयग्राही अंकन सुभद्रा जी के काव्य में हुआ है।' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

इकाई V

16. सुभद्राकुमारी चौहान की कविताओं के कला-पक्ष को समझाइए।